महिला सम्मान बचत प्रमाणपत्र

वर्तमान संदर्भ

हाल ही में, केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने नई दिल्ली में एक महिला सम्मान बचत प्रमाणपत्र खाता खोला और अधिक से अधिक महिलाओं से योजना का लाभ लेने का आग्रह किया।

Follow Us:

@khanglobalstudies

महिला सम्मान बचत प्रमाण पत्र

01 महिला सम्मान बचत प्रमाणपत्र सरकार द्वारा बजट 2023 में महिलाओं के लिए घोषित एकमुश्त बचत योजना है।

02 इस योजना का उद्देश्य निवेश में महिलाओं/लड़कियों की भागीदारी बढ़ाकर उन्हें सशक्त बनाना है।

03 यह एक सरकारी गारंटी योजना है जहां महिलाएं या लड़कियां आंशिक निकासी विकल्प के साथ 7.5 प्रतिशत का निश्चित ब्याज कमा सकती हैं।

04 यह योजना दो वर्षों के लिए 1 अप्रैल, 2023 से 31 मार्च, 2025 तक केवल निवेश हेतु उपलब्ध है।

05 न्यूनतम और अधिकतम निवेश राशि क्रमशः 1,000 रुपये और 2 लाख रुपये है।

प्रमुख विशेषताएं

★ **पात्रता मानदंड :** यह बचत खाता केवल महिलाओं द्वारा और नाबालिग लड़कियों की ओर से उनके अभिभावक द्वारा खोला जा सकता है।

★ **आंशिक निकासी :** परिपक्वता से पहले शेष राशि निकालने के लिए आंशिक निकासी की सुविधा उपलब्ध है। खाताधारक खाता खोलने की तारीख के एक साल बाद खाते की शेष राशि का 40 प्रतिशत तक निकाल सकता है।

★ **समय से पहले निकासी :** योजना की अवधि दो साल की है, लेकिन कुछ अपवाद हैं जिनमें परिपक्वता से पहले खाता बंद किया जा सकता है।

★ **निवेश की सीमा :** न्यूनतम निवेश राशि 1000 रुपये है और 100 रुपये के गुणकों में किसी भी मात्रा को एक खाते में जमा किया जा सकता है, जिसमें आगे जमा की अनुमति नहीं है। योजना के तहत अधिकृत अधिकतम निवेश 2 लाख रुपये है।

★ **कर लाभ :** महिला सम्मान बचत प्रमाणपत्र कर छूट के लिए पात्र नहीं है।

आसान आवेदन : महिला सम्मान बचत प्रमाणपत्र के लिए महिलाएं निकटतम डाकघर या किसी अधिकृत बैंक में जाकर व्यक्तिगत और वित्तीय नामांकन विवरण प्रदान करते हुए एक आवेदन पत्र भरकर आवेदन कर सकती हैं।

महिला सम्मान बचत प्रमाण पत्र और सुकन्या समृद्धि योजना

महिला सम्मान बचत प्रमाणपत्र और सुकन्या समृद्धि योजना (SSY) महिलाओं को समर्पित छोटी बचत योजनाएं हैं और इन्हें व्यवहार्य निवेश माना जा सकता है। महिला सम्मान बचत प्रमाणपत्र सभी उम्र वर्ग की महिलाओं को समर्पित है लेकिन सुकन्या समृद्धि योजना (SSY) 10 वर्ष से कम उम्र की बालिकाओं को समर्पित है।

समस्या और चुनौतियां

महिलाओं में कम वित्तीय साक्षरता के कारण उनमें निवेश के लिए अनौपचारिक माध्यम का उपयोग होता है।

बचत योजनाओं के बारे में महिलाओं में जागरूकता की कमी के कारण निवेश कम होता है या योजना विफल हो जाती है।

पात्रता विशेष रूप से केवल महिलाओं के लिए उपलब्ध है जबकि अन्य बचत योजनाएं सभी लोगों के लिए खुली हैं।

महिला सम्मान बचत प्रमाणपत्र ब्याज आय कर से मुक्त नहीं है। अन्य कर-बचत सावधि जमा योजनाओं के विपरीत महिलाएं इस योजना के तहत कर लाभ प्राप्त नहीं कर सकती हैं।

इस योजना की अवधि केवल 2 वर्ष है जबकि छोटी बचत योजनाओं की औसत अवधि आमतौर पर 5 वर्ष तक होती है।

इस योजना में अधिकतम राशि 2 लाख रुपये प्रति खाता है जबकि अन्य बचत योजनाओं में अधिकतम जमा राशि 30 लाख रुपये है।

उपाय

01

योजना के तहत अर्जित ब्याज कर योग्य है। इसे अन्य लघु बचत योजनाओं की तरह कर मुक्त किया जाना चाहिए।

02

इस बचत से अधिक लाभ प्राप्त करने के लिए अधिकतम सीमा बढ़ाई जानी चाहिए। अन्य छोटी बचत योजनाएं जैसे वरिष्ठ नागरिक बचत योजना में अधिकतम जमा सीमा 30 लाख रुपये है।

03

इस योजना में पुरुषों को भी शामिल किया जाना चाहिए।

04

महिलाओ को जानकारी प्रदान करने के लिए प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में सामाजिक जागरूकता अभियान चलाना चाहिए।

05

महिलाओं के बीच वित्तीय साक्षरता को बढ़ावा देना चाहिए, जो घरेलू निवेश में सुधार करने और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने में काफी मदद करेगा।

निष्कर्ष

'आजादी का अमृत महोत्सव' मनाने के लिए बजट 2023-24 में महिला सम्मान बचत प्रमाण पत्र की घोषणा की गई है, जिसका उद्देश्य वित्तीय समावेशन को बढ़ाना और महिलाओं को बेहतर लाभांश प्रदान करना है। यह बचत प्रमाणपत्र देश भर में महिलाओं को अधिक बचत करने और निवेश के लाभों के बारे में जानकारी देने की एक अच्छी पहल है। यह योजना महिला सशक्तिकरण की दिशा में अनूठा और शक्तिशाली कदम है।

MAHILA SAMMAN SAVINGS CERTIFICATE (MSSC)

Current Context

Recently, Union Minister Smriti Irani opened a Mahila Samman Savings Certificate account in the national capital, and urged more women to take benefit of the scheme.

Follow Us:

@khanglobalstudies

About Mahila Samman Savings Certificate

01 The Mahila Samman Savings Certificate is a one-time savings scheme for women announced by the government in the Budget 2023.

02 The scheme aims to empower women/girls by increasing their participation in investments.

03 It is a government-guaranteed scheme where women or girls can earn a fixed interest of 7.5% with partial withdrawal option.

04 This scheme is available for investment for two years only, starting from April 1, 2023, to March 31, 2025.

05 The minimum and maximum investment amount is capped at Rs. 1,000 and 2 lakh respectively.

Key Features

- ★ **Eligibility criteria:** This saving account can be opened only by the women and by the guardian on the behalf of the minor girls.
- ★ **Partial withdrawal:** A partial withdrawal facility to withdraw the balance before maturity is available. The account holder can withdraw up to 40 percent of the account balance one year after the account's opening date.
- ★ **Premature withdrawal:** The scheme comes with a maturity period of two years, but there are some exceptions in which one can close the account before maturity.
- ★ **Investment limit:** The minimum investment amount is Rs 1000, and any quantity in multiples of Rs 100 can be deposited in an account with no further deposits permitted. The maximum investment authorised under the plan is Rs 2 lakh.
- ★ **Tax benefits:** The Mahila Samman Savings Certificate is not eligible for tax rebate.
- ★ **Easy application**: Women can apply for the Mahila Samman Savings Certificate by visiting nearest post office or an authorised bank, and filling up an application form by providing personal, financial, and nomination details.

Mahila Samman Savings Certificate and Sukanya Samriddhi Yojana

Both the Mahila Samman Savings Certificate and Sukanya Samriddhi Yojana (SSY) are small savings schemes dedicated to women and can be considered viable investments. The Mahila Samman Savings Certificate is dedicated to women of all ages but the Sukanya Samriddhi Yojana (SSY) is dedicated to girl-child below 10 years.

Issues and Challenges

Low financial literacy among women which lead to use of informal channel for investment among women.

Lack of awareness among women about the saving schemes which lead to lower investment or failure of the schemes.

The eligibility is available exclusively for women only while other savings schemes are open to all residents.

The Mahila Samman Savings Certificate interest income is not exempted from tax. Unlike other tax-saving fixed deposits, women cannot receive tax benefits under this scheme.

In this scheme, tenure availability is of 2 years only while the average tenure of small savings schemes is usually upto 5 years.

In this scheme, the maximum amount is Rs 2 lakh per account only while other savings schemes have maximum deposit of Rs.30 lakh.

Measures

01 The interest earned under the scheme is taxable. It should be made tax-free like other small savings schemes.

02 The maximum limit should be increased in order to get higher benefit from this savings. Other small saving schemes like senior citizen savings having maximum deposit of Rs.30 lakh.

03 The eligibility should be available regardless of gender.

04 There should be social awareness campaign in print and electronic media to provide knowledge to every woman.

05 There should be promotion of financial literacy among women which would significantly help in improving household investment and boost economic growth.

Conclusion

The Mahila Samman Savings Certificate announced in Budget 2023-24 to commemorate the 'Azadi Ka Amrit Mahotsav' is aimed at enhancing financial inclusion and providing better returns to women. This Savings Certificate is a good initiative to allow women across the country to save more and learn the benefits of investments. This scheme is unique and powerful step towards women empowerment.